প্রজাতন্ত্র দিবস উপলক্ষ্যে

অধ্যক্ষ তথা পরিচালন অধিকর্তার

বার্তা

২৬ জানুয়ারী ২০১২

ইস্টার্ন কোলফিল্ডস্ লিমিটেড

সাঁকতোড়িয়া, পো: ডিসেরগড়, জেলা : বর্ধমান

প্রিয় সহকর্মীবৃন্দ,

ভারতের ৬৩ তম প্রজাতন্ত্র দিবসের শুভলগ্নে ইসিএল পরিবারের সকল সদস্যকে আন্তরিক অভিনন্দন ও নতুন বছরের শুভেচ্ছা জানাই। আপনার ও আপনার পরিবারের সকল সদস্যের জীবন সুখ, শান্তি এবং সমৃদ্ধিতে পরিপূর্ণ হয়ে উঠুক - এই কামনা করি।

আপনারা জানেন যে ইসিএল-এর কয়লাঞ্চলে তাপবিদ্যুৎ কেন্দ্রগুলির উপযুক্ত উচ্চমানের কয়লাভাণ্ডার রয়েছে। সবচেয়ে প্রাচীন কয়লাঞ্চল হওয়ার কারণে রাণীগঞ্জ খনি অঞ্চলের অধিকাংশ খনিতে বেশ কিছু জটিল সমস্যা থাকলেও উচ্চগুণমানের কয়লা মজুতের সঙ্গে সঙ্গে এই সংস্থার উন্নতির অনেক ক্ষমতাও রয়েছে। বর্তমানে আমাদের নিয়ন্ত্রক কোম্পানি কোল ইণ্ডিয়া লিমিটেড মহারত্ন কোম্পানির সম্মান অর্জন করেছে। তাই এই সম্মান অক্ষুন্ন রাখতে এবং সি আই এল-কে আরো এগিয়ে নিয়ে যেতে আমাদের দায়িত্বও বেড়ে গেছে।

ইসিএল-এর পুনরুজ্জীবনের জন্য বেশ কয়েকটি পরিকল্পনা একসাথে কাজ করছে। ভূগর্ভস্থখনিগুলিতে ক্রমানুসারে যন্ত্রের সাহায্যে লোডিং এর ব্যবস্থা করে ম্যানুয়েল লোডিং সম্পূর্ণরূপে বন্ধ করার চেষ্টা করা হচ্ছে। এর জন্য ১১৩টি এস ডি এল মেশিন কেনা হয়েছে। এর দ্বারা কেবলমাত্র শারীরিক শ্রম পুরোপুরি বন্ধ করে যতবেশী সম্ভব কাজ মেশিন দিয়ে করা হবে, এর ফলে উৎপাদকতা তো বৃদ্ধি পাবেই সাথে সাথে খনি নিরাপত্তাও সুনিশ্চিত হবে। এছাড়া ড্রিলের কাজের মেশিনীকরণের জন্য ২৪টি নতুন ইউনিভার্সাল ড্রিল মেশিন কেনার আদেশ দেওয়া হয়েছে, যার মধ্যে কয়েকটি মেশিন এসেও গেছে। ঝাঁঝরায় পাওয়ার সাপোর্ট লঙ ওয়ালের জন্য লেটার অফ ইনডেন্ট দেওয়া

হয়েছে যাতে প্রতি বছর ১.৭ মিলিয়ন টন কয়লা উৎপাদন হবে। একই সঙ্গে ঝাঁঝরায় তৃতীয় কন্টিনিয়াস মাইনার লাগানোর চেষ্টা চলছে। রানীগঞ্জ অঞ্চলে কয়েকটি খোলামুখ খনি প্রকল্পের কাজ আরম্ভ করা হচ্ছে এবং কম উৎপাদনের খনিগুলি থেকে শ্রমিকদের তুলে এনে বেশী উৎপাদনের খনিতে কাজে লাগানো হচ্ছে। রাজমহল ওসিপি সম্প্রসারণ প্রকল্পে বাৎসরিক উৎপাদন বাড়িয়ে ১৭.০০ মিলিয়ন টন করার জন্য টেণ্ডার চুড়ান্ত করা হয়েছে এবং এর কাজ এখন শেষ পর্যায়ে রয়েছে। একই সঙ্গে চিত্রা ও সি পি এবং হুরা সি প্রোজেক্টের জন্য বন ও পরিবেশ বিভাগ থেকে নীতিগত অনুমতি পাওয়া গেছে। এই আর্থিক বছরের শুরুর দু মাসে কয়লা উৎপাদন এবং ওভারবার্ডেন সরানোর ক্ষেত্রে খুব গতি এসেছিল, কিন্তু জুন থেকে প্রবল বর্ষার কারণে সমস্ত এলাকার খনিগুলিতে উৎপাদন এতটাই প্রভাবিত হয় যে, চলতি আর্থিক বছরের প্রথম ছ মাসের ফলাফল হল নেতিবাচক। যদিও আমাদের উপরোক্ত প্রচেষ্টাগুলির কারণে উৎপাদনে আবার গতি এসেছে এবং নভেম্বর ২০১১ এর পর ইতিবাচক উন্নতি শুরু হয়েছে। আমার আশা, আগামী দিনগুলিতে যদি আমরা সম্পূর্ণ মনোযোগ দিয়ে কাজ করি, তাহলে উৎপাদনের লক্ষ্যমাত্রা অর্জনে অবশ্যই সফল হবো।

ইসিএল-এর পক্ষ থেকে সমস্ত শ্রমিক, কর্মচারী এবং আধিকারিকদের জীবন-যাপন মানের উন্নতির জন্য বিভিন্ন প্রকারের জনকল্যাণ কর্মসূচী গ্রহণ করা হয়েছে। এছাড়াও খনি অঞ্চলের আশেপাশের অধিবাসীদের জন্য নিয়মিতভাবে সি এস আর প্রকল্পের মাধ্যমে বিভিন্ন কল্যাণমূলক কাজ করা হয়ে থাকে। বিগত বছরের মতো চলতি বছরেও কয়লাখনির আশে পাশের অধিবাসীদের চিকিৎসার জন্য একটি ভ্রাম্যমান মেডিক্যাল ভ্যান দেওয়া হয়েছে। এবার ভ্যান দেওয়া হয় এস পি মাইন্সকে। এর আগে রাজমহল, সাঁকতোড়িয়া হাসপাতাল ও কাল্লা হাসপাতালকে এই রকম মেডিক্যাল ভ্যান দেওয়া হয়েছে। চলতি

আর্থিক বছরে ১৩৬৭ জন কৃতী ছাত্রকে বৃত্তি দেওয়া হয়েছে। এ বাবদ সংস্থার ব্যয় হয়েছে ১২ লক্ষ ৮০ হাজার টাকা। এছাড়াও ১৩ জন মেডিকেল ও ১৯ জন ইঞ্জিনিয়ারিং পাঠরত ছাত্রের টিউশন ফি ও হোস্টেল খরচ বাবদ ৩ লক্ষ ৮৬ হাজার টাকা চলতি বছরে ইসিএল দিয়েছে। এরা সকলেই কোল ইণ্ডিয়ার স্বীকৃতিপ্রাপ্ত সরকারী প্রতিষ্ঠানে পাঠরত ইসিএল-এর কর্মি-আধিকারিকদের ছেলে-মেয়ে। কোল ইণ্ডিয়া পর্যায়ে খেলাধূলা ও সাংস্কৃতিক প্রতিযোগিতার ক্ষেত্রে তিনটি বিভাগে ইসিএল চ্যাম্পিয়ন হয়েছে।

আমার বিশ্বাস, সংস্থার শ্রমিক, কর্মচারী, আধিকারিক, শ্রমিক সংগঠনের প্রতিনিধি, রাজ্য সরকারের আধিকারিক এবং আমাদের সকল শুভাকাঙ্খীদের সহযোগিতায় এবার উৎপাদনের লক্ষ্যমাত্রা অবশ্যই অর্জন করতে পারবো।

আবার একবার কোম্পানির সমস্ত শ্রমিক, কর্মচারী এবং আধিকারিকদের কাছে আবেদন, আপনারা নিজের নিজের কর্মক্ষেত্রে কর্মকুশলতার পরিচয় দিন। কোম্পানির আর্থিক অবস্থাকে মজবুত করতে প্রত্যেকের কঠোর পরিশ্রম এবং নিষ্ঠা যেমন প্রয়োজন একই সঙ্গে আপনাদের উপর অর্পিত দায়িত্বও পালন করা জরুরী। আপনাদের মধ্যে এই দক্ষতা এবং কর্মকুশলতা রয়েছে - এটা আমার দৃঢ় বিশ্বাস।

জয় হিন্দ।

শুভকামনা সহ,
ভবদীয়

(রাকেশ সিন্‌হা)
অধ্যক্ষ তথা পরিচালন অধিকর্তা

ইস্টার্ন কোলফিল্ডস্ লিমিটেডের জনসংযোগ বিভাগ হইতে প্রকাশিত

गणतंत्र दिवस के उपलक्ष्य में

अध्यक्ष सह प्रबन्ध निदेशक का

सन्देश

26 जनवरी, 2012

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड

सांकतोड़िया, पो०–डिसरगढ़, जिला : बर्द्धमान

मेरे प्यारे श्रमिक साथियों,

भारत के 63 वें गणतन्त्र दिवस के पावन अवसर पर मैं ईसीएल परिवार के प्रत्येक सदस्य को अपनी ओर से हार्दिक अभिनन्दन एवं नव वर्ष की शुभ कामना प्रकट करता हूँ। ईश्वर आपके एवं आपके परिवार के सभी सदस्यों का जीवन सुख, शांति एवं समृद्धि से परिपूर्ण करें, यही मेरी कामना है।

आप जानते हैं कि ईसीएल के कोयला क्षेत्र में ताप विद्युत केन्द्र के लिए उपयोगी सबसे उच्च गुणवत्ता वाले कोयले का भण्डार मौजूद है। सबसे प्राचीन कोयला क्षेत्र होने के कारण रानीगंज कोयला क्षेत्र की अधिकांश खदानों में कई प्रकार की जटिल समस्याएं हैं, लेकिन उच्च स्तर का कोयला रहने के साथ ही इस कम्पनी में उन्नति की काफी क्षमता भी मौजूद है। आज हमारी नियंत्रक कम्पनी कोल इंडिया लिमिटेड महारत्न कम्पनी का सम्मान प्राप्त कर चुकी है। इसलिए इसके इस सम्मान को बनाए रखने एवं निरन्तर बढ़ाते रहने के लिए हमारा दायित्व और भी बढ़ गया है।

ईसीएल अपने पुनरुद्धार के लिए कई प्रकार की योजनाओं पर एक साथ कार्य कर रही है। भूमिगत खदानों में क्रमानुसार यांत्रिक तरीके से लोडिंग की व्यवस्था करके मैनुअल लोडिंग को पूर्णरुपेण बंद करने की चेष्टा की जा रही है। इसके लिए 113 एसडीएल मशीनों की खरीद की गई है। इससे न केवल शारीरिक श्रम को पूरी तरह समाप्त करके ज्यादा से ज्यादा काम मशीनों से लिया जा सकेगा। इससे उत्पादकता में तो वृद्धि होगी ही, साथ ही, खान सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। इसके अलावा ड्रिल कार्य के मशीनीकरण के लिए 24 नई यूनिवर्सल ड्रिल मशीनों की खरीद का आदेश दिया जा चुका है जिनमें कुछ आने भी लगी हैं। झांझरा में पावर सपोर्ट लांगवाल के लिए आशय पत्र (लेटर आफ

इंटेन्ट) जारी किया जा चुका है जिससे हर साल 1.7 मिलियन टन कोयला उत्पादन होगा। साथ ही, झांझरा में तीसरा कन्टिन्युअस माइनर लगाने के लिए प्रयास चल रहा है। रानीगंज क्षेत्र में कई खुली खान परियोजनायें आरम्भ की जा रही हैं तथा कम उत्पादन वाली खदानों में से श्रमिकों को निकाल कर ज्यादा उत्पादन वाली खदानों में काम पर लगाया गया है। राजमहल ओसीपी की विस्तार परियोजना के द्वारा उत्पादन बढ़ाकर सालाना 17.00 मिलियन टन करने के लिए टेण्डर फाइनल किया जा चुका है और यह अंतिम चरण में है। साथ ही हमें चित्रा ओ.सी.पी. और हुरा सी प्रोजेक्ट के लिए वन एवं पर्यावरण विभाग से सैद्धान्तिक सहमति मिल गई है। इस वित्तीय वर्ष के प्रारम्भ के दो महीनों के दौरान कोयला उत्पादन और ओवरबर्डन हटाने में खासी तेजी आई थी, लेकिन जून महीने से जोरदार वर्षा के चलते सभी इलाकों की खदानों में उत्पादन इस हद तक प्रभावित हुआ कि इस वित्तीय वर्ष की पहली छमाही में नकारात्मक विकास दर्ज हुआ। हालांकि हमारे उपरोक्त प्रयासों के चलते उत्पादन में फिर कुछ तेजी आई है और नवम्बर, 2011 के बाद फिर से सकारात्मक वृद्धि दर्ज की गई है। मुझे पूरी आशा है कि आने वाले दिनों में यदि हम पूरे मन से काम करेंगे, तो हम अपने लक्ष्य को प्राप्त करने में अवश्य सफल होंगे।

ईसीएल की तरफ से सभी श्रमिकों, कर्मचारियों एवं अधिकारियों के जीवन स्तर को उन्नत बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के जन कल्याण संबंधी कार्यक्रमों को अपनाया गया है। इसके अलावा कम्पनी के परिचालन क्षेत्र के आस-पास के निवासियों के लिए ''सी.एस.आर'' योजना के अंतर्गत अनेक सुविधाओं को नियमित किया गया है। पिछले वर्षों की भाँति इस वर्ष भी कोयला क्षेत्र के आसपास के निवासियों की चिकित्सा के लिए एक सचल मेडिकल वैन एस.पी. माइन्स क्षेत्र को दिया गया है। इसके पहले राजमहल, सांकतोड़िया चिकित्सालय एवं काल्ला चिकित्सालय को यह जिम्मेदारी प्रदान की जा चुकी है।

इस वित्तीय वर्ष में 1367 छात्रों को छात्रवृत्ति दी गई जिस पर 15 लाख 80 हजार रूपए खर्च किए गए। कोल इंडिया द्वारा स्वीकृत सरकारी प्रतिष्ठानों में 13 मेडिकल एवं 19 इंजीनियरिंग की शिक्षा प्राप्त करने वाले ईसीएल के बच्चों को ट्यूशन एवं हास्टल फीस के रूप में 3 लाख 86 हजार रूपए खर्च किए गए। कोल इंडिया स्तर की खेलकूद एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की तीन प्रतियोगिताओं में ईसीएल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। मुझे पूरी उम्मीद है कि हम अपने श्रमिकों, कर्मचारियों, अधिकारियों, श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधियों,राज्य सरकार के अधिकारियों तथा अपने समस्त शुभ चिन्तकों के सहयोग से अपने उत्पादन लक्ष्य को अवश्य प्राप्त कर लेंगे।

एक बार फिर, मैं कम्पनी के प्रत्येक श्रमिक, कर्मचारी एवं अधिकारी से अपील करता हूँ कि आप अपने अपने कार्यस्थल पर अपनी अपनी कार्यकुशलता का परिचय दें। कम्पनी की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने के लिए प्रत्येक व्यक्ति कठोर परिश्रम एवं निष्ठा के साथ अपने ऊपर सौंपे गए दायित्व को पूरा करें। आपलोगों में यह दक्षता एवं कार्यकुशलता मौजूद है, यह मेरा दृढ़ विश्वास है।

जय हिन्द।

शुभ कामनाओं के साथ,

आपका

(राकेश सिन्हा)

अध्यक्ष–सह–प्रबन्ध निदेशक

ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड के जनसम्पर्क विभाग द्वारा प्रकाशित